Page No.
Date

अधिन्यास

मनुष्य का जीवन संघर्षों से भरा होता है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कभी न कभी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जो व्यक्ति इन कठिनाइयों से डरता नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करता है, वही सच्चे अर्थों में सफल होता है। इतिहास ऐसे व्यक्तित्वों से भरा पड़ा है जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और निरंतर प्रयास करते रहे।एडिसन ने बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार प्रयोग किए, पर उन्होंने कभी असफलता को अपनी मंज़िल नहीं माना। उनके शब्द थे – "मैं असफल नहीं हुआ, मैंने बस 10,000 तरीके खोजे जो काम नहीं करते।" ऐसे लोग हमें यह सिखाते हैं कि असफलता कोई अंत नहीं है, बल्कि यह सफलता की ओर बढ़ने वाला एक आवश्यक कदम है। महात्मा गांधी ने भी संघर्षों से कभी मुँह नहीं मोड़ा। सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए उन्होंने एक साम्राज्य को झुका दिया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और नैतिकता के बल पर कोई भी असंभव कार्य संभव किया जा सकता है।प्रेरणादायक व्यक्तित्व हमें यह सिखाते हैं कि कठिन समय में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए, बल्कि उसे अवसर में बदलने की कोशिश करनी चाहिए। आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी हैं। यदि हम अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहें और निरंतर प्रयास करें, तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं।

1. एडिसन ने बल्ब का अविष्कार किस के बल पर किय

(क) धन के बल पर ☐

(ख) सौभाग्य के बल पर ☐

(ग) निरंतर प्रयास और प्रयोग के बल पर ☑

(घ) मशीनों के बल पर ☐

(ii) महात्मा गांधी ने किस सिद्धांत के माध्यम से अंग्रेजों को झुकाया?

(क) हिंसा ☐ (घ) राजनीति ☐

(ख) छल ☐

(ग) सत्य और अहिंसा ☑

Scanned with OKEN Scanner

(iii) लेखक के अनुसार सफलता की कुंजी क्या है?

(क) भाग्य ☐

(ख) दूसरों की सहायता ☐

(ग) आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच ☑

(घ) प्रतियोगिता में आगे निकलना ☐

(iv) गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि असफलता क्यों आवश्यक होती है और हमें उससे कैसे सीखना चाहिए?

उत्तर असफलता हमें अपनी गलतियों को समझने और उन्हें सुधारने का मौका देती है। इससे अनुभव बढ़ता है और हम अगली बार बेहतर प्रयास करते हैं। असफलता से सीखकर ही सफलता पाई जाती है।

(v) प्रेरणादायक व्यक्तियों से हमें क्या शिक्षा मिलती है? उदाहरण देकर उत्तर दीजिए।

उत्तर प्रेरणादायक व्यक्तियों से हमें मेहनत, आत्मविश्वास

Page No.
Date

और निरंतर प्रयास

2. एक छोटा सा बीज जब मिट्टी में बोया जाता है, तो वह अंधकार में होता है। लेकिन समय के साथ वह अंकुरित होता है, मिट्टी को चीरता है और ऊपर सूर्य की ओर बढ़ता है। यह प्रक्रिया कठिन होती है, लेकिन वह बीज कभी हार नहीं मानता। मनुष्य का जीवन भी इसी तरह है। जब हम किसी नए कार्य की शुरुआत करते हैं, तो समस्याएँ और असफलताएँ आती हैं। लेकिन जो व्यक्ति धैर्य रखता है, आत्मविश्वास के साथ प्रयास करता है, वही जीवन में ऊँचाइयों को छूता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था – "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।" यह कथन हमें सिखाता है कि जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं, बस संकल्प और प्रयास की आवश्यकता है। हर दिन एक नई शुरुआत है। बीते कल की विफलताओं को पीछे छोड़कर, आज को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। जीवन में छोटे-छोटे कदम भी बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। जरूरी है कि हम अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानें और उसे सकारात्मक दिशा में लगाएँ। जो लोग अपने सपनों को साकार करने के लिए कठिनाइयों से लड़ते हैं, वही वास्तव में सफल होते हैं। प्रेरणा हमारे चारों ओर है – प्रकृति में, महान व्यक्तियों के जीवन में और हमारे भीतर भी। हमें बस उसे पहचानने और अपनाने की आवश्यकता है।

(i). बीज के उदाहरण से लेखक क्या समझाना चाहता है?

उत्तर (क) जीवन संघर्षों से भरा है लेकिन सफलता संभव है।

(ii) स्वामी विवेकानंद के अनुसार हमें क्या करना चाहिए?

उत्तर तब तक न रुकना जब तक लक्ष्य न मिले

(iii) लेखक के अनुसार प्रेरणा हमें कहाँ से मिल सकती है?

Scanned with OKEN Scanner

Page No. | Date

उत्तर हर जगह प्रकृति, महान व्यक्तियों के बाद भी प्रयास

(iv) गद्यांश के आधार पर समझाइए कि असफलता के बाद भी प्रयास क्यों आवश्यक है?

उत्तर सफलता के बाद प्रयास आवश्यक है क्योंकि असफलता से सीख मिलती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। लगातार प्रयास से ही सफलता मिलती है।

(v) स्वामी विवेकानंद के कथन का आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? उत्तर दीजिए।

उत्तर स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं है, बस संकल्प और प्रयास की आवश्यकता है।